(c) the estimates of the world-wide production of cotton and whether there is any likehood of shortfall; and

(d) the steps being taken to meet the estimated deficit, if any, in the ensuing season?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Final estimates of cotton, production for 1994-95 have yet not been received from the States. As per available assessment, production of cotton in the country during 1994-95 is likely to be 116.5 lakh bales of 170 kgs. each. Cotton Advisory Board's estimates of likely production of cotton for the current year is, however, placed at 125.0 lakh bales of 170 kgs. each.

(b) The requirement of cotton during 1994-95 as estimated by the Cotton Advisory Board (CAB) is as under:

(In lakh bales of 170 kgs. each)

(i) Mill Consumption—114.00

(ii) Non-mill consumption—8.00

(iii) Small Spinners consumption— 5.00

The handloom industry does not consume cotton directly but uses cotton yarn in hank form. However, the amount of cotton required to meet the anticipated consumption of hank yarn by the handloom sector during the financial year 1994-95 has been worked out as 28.4 lakh bales (170 kg. each).

(c) The world production estimate of cotton during 1994-95 has been reported as 18.25 million tonnes. As per the latest indications available, there is no likelihood of shortfall.

(d) The Government of India has taken the following steps to augment the supply of cotton in the country.

(i) Import of cotton placed under OGL with zero import duty;

(ii) import of fabrics, madeups and garments allowed under special import licence;

(iii) Polyster staple fibres have been removed from negative list of import and allowed to be imported freely w.e.f. 17.2.95.

कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर में कमी

2837. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कई राज्यों में कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर में कमी आई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान कृषि उत्पादों और दुग्ध की विकास दर का राज्य-वार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) हाल ही की अवधि अर्थात् 1980–81 से 1992–93 में अधिकतर राज्यों ने कृषि उत्पादन में उच्च वृद्धि दर दर्शायी है । लेकिन, कुछ राज्यों ने हाल ही के वर्षों में कृषि उत्पादन की वृद्धि दर में गिरावट दर्शायी है । इसका मुख्य कारण उन राज्यों में वर्षा तथा मौसम की खराब स्थिति तथा फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र में स्थिरता है ।

(ग) पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1990–91 से 1992–93 के दौरान कृषि क्षेत्र से राज्यीय निवल घरेलू उत्पाद तथा दुग्ध उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के दौरान हुई प्रतिशत वृद्धि (अद्यतन उपलब्ध) के ब्यौरे विवरण I तथा II के रूप में संलग्न हैं ।

विवरण-I

कृषि क्षेत्र में राज्यीय निवल घरेलू उत्पादन में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष प्रतिशत वृद्धि/कमी स्थाई (1980-81) मूल्यों पर

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि/कमी		
	1990-91	1991-92	1992-93
1. आन्ध्र प्रदेश	(—) 3.2	(+) 2.2	(—) 6.3
2. अरुणाचल प्रदेश	(+) 5.3	(+) 22.7	(—) 5.1
3. असम	(—) 1.5	(+) 3.1	(+) 0.8
4. बिहार	(+) 16.5	(—) 18.4	(+) 2.3
5. दिल्ली	(+) 8.4	(+) 6.7	—
6. गोवा	(—) 55.5	(+) 102.0	(+) 1.8
7. गुजरात	(—) 7.3	(—) 21.9	(+) 58.0
8. हरियाणा	(+) 11.2	(—) 0.8	(+) 2.7
9. हिमाचल प्रदेश	(+) 0.3	(—) 1.7	—
10. जम्मू और कश्मीर	(+) 10.8	(+) 1.6	(+) 1.2
11. कर्नाटक	(—) 6.7	(+) 18.8	(+) 3.0
12. केरल	(+) 13.8	(+) 3.2	(+) 6.7
13. मध्य प्रदेश	(+) 21.1	(—) 11.8	(+) 9.6
14. महाराष्ट्र	(—) 0.9	(—) 23.4	(+) 38.4
15. मणिपुर	(+) 8.7	(—) 11.7	—
16. मेघालय	(+) 7.0	(+) 30.7	(+) 12.5
17. नागालैंड	(+) 7.0	(+) 7.0	—
18. उड़ीसा	(—) 35.4	(+) 17.6	(—) 11.9
19. पंजाब	(—) 1.3	(+) 7.7	(+) 2.2
20. राजस्थान	(+) 26.2	(—) 17.4	(+) 20.0
21. सिक्किम	(+) 3.8	—	—
22. तमिलनाडु	(+) 4.0	(+) 9.8	(+) 1.3
23. त्रिपुरा	(+) 7.4	(—) 3.1	—
24. उत्तर प्रदेश	(+) 7.2	(+) 2.7	(—) 2.3
25. पश्चिम बंगाल	(—) 1.1	(+) 9.7	(+) 4.7
26. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	(+) 3.9	(—) 1.4	(+) 25.0
27. पाण्डिचेरी	(+) 2.3	(+) 10.9	(—) 0.8

— संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई ।

विवरण-II

वर्ष 1990-91, 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान विभिन्न राज्यों में दुग्ध उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान प्रतिशत वृद्धि/कमी

क्र०सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि/कमी		
		1990-91	1991-92	1992-93
1	2	3	4	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	—	(—) 2.2	(+) 5.4
2.	अरुणाचल प्रदेश	(—) 82.5	—	(+) 200.0
3.	असम	(—) 0.5	(+) 4.1	(+) 3.0
4.	बिहार	(+) 3.8	(+) 3.1	(—) 0.5
5.	गोवा	(+) 4.0	(+) 7.7	(+) 7.1
6.	गुजरात	(+) 5.2	(+) 1.9	(+) 5.9
7.	हरियाणा	(+) 8.5	(+) 4.3	(+) 4.2
8.	हिमाचल प्रदेश	(+) 8.3	(+) 4.2	(+) 2.0
9.	जम्मू व कश्मीर	(+) 14.4	(+) 4.3	(+) 3.3
10.	कर्नाटक	(+) 4.3	(+) 3.6	(+) 4.6
11.	केरल	(+) 5.6	(+) 5.6	(+) 5.8
12.	मध्य प्रदेश	(+) 4.0	(+) 2.2	(+) 1.5
13.	महाराष्ट्र	(+) 14.4	(+) 5.9	(+) 3.7
14.	मणीपुर	—	(+) 1.2	—
15.	मेघालय	(+) 2.1	(+) 4.2	(+) 4.0
16.	मिजोरम	(—) 11.1	—	(+) 12.5
17.	नागालैण्ड	(+) 34.4	—	(+) 2.3
18.	उड़ीसा	(+) 3.5	(+) 7.2	(+) 7.3
19.	पंजाब	(+) 5.5	(+) 2.6	(+) 3.7
20.	राजस्थान	(+) 2.9	(+) 3.1	(+) 2.5
21.	तमिलनाडु	(+) 1.0	(—) 0.5	(+) 3.3
22.	त्रिपुरा	(+) 7.4	(+) 10.3	(+) 6.3
23.	उत्तर प्रदेश	(+) 6.0	(+) 5.3	(+) 4.3

1	2	3	4	5
24.	पश्चिम बंगाल . .	(+) 3.8	(+) 3.7	(+) 0.1
25.	सिक्किम . .	(+) 3.7	(+) 1.2	(+) 3.4
संघ शासित क्षेत्र				
1.	अन्दमान व निकोबार द्वीप समूह	(+) 5.6	(+) 26.3	—
2.	चण्डीगढ़ . .	(+) 3.2	(+) 6.3	(+) 8.8
3.	दादर व नगर हवेली .	—	—	(+) 33.3
4.	दिल्ली . . .	—	(+) 1.3	(+) 3.5
5.	लक्षद्वीप . .	—	—	—
6.	पाण्डिचेरी . .	—	—	—
	अखिल भारत :	(+) 4.9	(+) 3.2	(+) 3.5

किसानों की संख्या में कमी

2838. **श्री आस मोहम्मद :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनगणना के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की संख्या में कमी आई है जबकि कृषि के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार इस संबंध में क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते।

प्रति व्यक्ति भूमि क्षेत्र में कमी

2839. **श्री आस मोहम्मद:** क्या कृषि मंत्रि यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में प्रति व्यक्ति भूमि क्षेत्र में लगातार कमी आ रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1950 और वर्ष 1990 में देश में प्रति व्यक्ति भूमि क्षेत्र कितना-कितना था ;

(ग) क्या सरकार भूमि की उपलब्धता में लगातार आ रही कमी को ध्यान में रखते हुए भावी विकास योजनाओं के लिए भूमि का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने हेतु कोई व्यापक अध्ययन कराने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) जी, हां।

(ख) वर्ष 1951 में भूमि की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 0.9 हेक्टेयर थी जो घटकर 1991 में 0.4 रह गई। ये आंकड़े 1951 तथा 1991 की गणना पर आधारित हैं।

(ग) कृषि मंत्रालय में राष्ट्रीय भू-उपयोग और संरक्षण बोर्ड ने राष्ट्रीय भू-उपयोग नीति रूप रेखा तथा देश के भू-संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग और प्रबन्ध